नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 114
दि. 24.08.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी 25-26 अगस्त को गुजरात दौरे पर : राजस्व, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स विभाग के 1218 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट देंगे

- प्रधानमंत्री अहमदाबाद, मेहसाणा और गांधीनगर में विद्युत वितरण से जुड़ी 1122 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, 4.25 लाख उपभोक्ताओं को होगा लाभ
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 96 करोड़ रुपए के खर्च से आकार लेने वाले राजस्व विभाग के दो अत्याधुनिक भवनों का शिलान्यास करेंगे
- अहमदाबाद : विद्युत वितरण के लिए 608 करोड़ रुपए के खर्च से भूमिगत सिस्टम तैयार, 2.01 लाख उपभोक्ता होंगे लाभान्वित
- मेहसाणा : आधुनिक और भूमिगत विद्युत वितरण नेटवर्क के लिए 221 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट, 1.36 लाख उपभोक्ताओं को होगा लाभ
- गांधीनगर में भूमिगत विद्युत वितरण नेटवर्क के लिए 178 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट तैयार, 86,014 उपभोक्ता होंगे लाभान्वित

गांधीनगर, 23 अगस्त 2025 : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 और 26 अगस्त को गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे और इस दौरान वे उत्तर गुजरात में करोड़ों की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

वे अहमदाबाद, मेहसाणा और गांधीनगर में ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग की 1122 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इनमें उत्तर गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (यूजीवीसीएल) और गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (जीईटीसीओ-गेटको) के अंतर्गत अहमदाबाद, मेहसाणा और गांधीनगर जिलों में पांच मुख्य विद्युत वितरण परियोजनाएं शामिल हैं। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं से 4.25 लाख उपभोक्ताओं को लाभ होगा। इसके अलावा, वे 96 करोड़ रुपए के खर्च से आकार लेने वाले राजस्व विभाग के दो अत्याधुनिक भवनों का शिलान्यास करेंगे।

अहमदाबाद : विद्युत वितरण के लिए 608 करोड़ रुपए के खर्च से भूमिगत सिस्टम तैयार

प्रधानमंत्री उत्तर गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (यूजीवीसीएल) की जिन परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, उसे भारत सरकार रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) और नॉर्मल डेवलपमेंट (एनडी) स्कीम के हिस्से के रूप में क्रियान्वित किया गया है। अहमदाबाद में 608 करोड़ रुपए की लागत से ओवरहेड बिजली के समग्र ढांचे को भूमिगत किया गया है, जिससे 2,00,593 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इस परियोजना का लोकार्पण प्रधानमंत्री के करकमलों द्वारा होगा।

मुख्यमंत्री ने 02 कल्याण मण्डपम् का लोकार्पण किया

लखनऊ, 23 अगस्त, 2025

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के सभी नागरिकों के जीवन को आसान बनाने और उन्हें शासन की सुविधाओं का लाभ दिलाने तथा विकसित भारत की सुदृढ़ नींव के निर्माण के लिए अनेक कार्यक्रम आगे बढ़ाए हैं। इस दिशा में अनेक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। आज एक साथ दो कल्याण मण्डपम् गोरखपुरवासियों को समर्पित किए जा रहे हैं। इनमें बाबा गम्भीरनाथ नगर, मानबेला में और रासीनगर विस्तार के पीरू शहीद में शादी-विवाह, मांगलिक कार्यों, सभा आदि सहित अन्य सार्वजनिक कार्यों के आयोजन के लिए कल्याण मण्डपम् शामिल है। प्रदेश के अन्य नगरों में भी ऐसे कार्यक्रम तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी आज मानबेला, गोरखपुर में 02 कल्याण मण्डपम् का लोकार्पण करने के उपरान्त इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। ज्ञातव्य है कि रासीनगर क्षेत्र के वार्ड नं0-05 बाबा गम्भीरनाथ नगर के मानबेला में तथा रासीनगर विस्तार ग्राम मानबेला के टोला-'पीरू शहीद' में 01-01 कल्याण मण्डपम् का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कल्याण मण्डपम् का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने रासीनगर विस्तार टाउनशिप तथा स्पोर्ट्स सिटी

आवासीय योजना के आवंटियों को आवंटन पत्र वितरित किए। उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन तथा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की। मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने गोरखपुरवासियों को कल्याण मण्डपम् के लिए बधाई देते हुए कहा कि इन परियोजनाओं में उनकी विधायक निधि से 01 करोड़ 86 लाख रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। गोरखपुर विकास प्राधिकरण ने इनके लिए भूमि की व्यवस्था करते हुए शेष धनराशि लगायी। आज यह भव्य कल्याण मण्डपम् बनकर लोकार्पित हुए हैं।

कल्याण मण्डपम् में 11 से 25 हजार रुपये देकर लोग अपने कार्यक्रम आयोजित कर सकेंगे, जिनके लिए बड़े होटलों में 05 से 10 लाख रुपये देने पड़ते। गोरखपुर में गोरखपुर विकास प्राधिकरण तथा गोरखपुर नगर निगम द्वारा 05 ऐसे कल्याण मण्डपम् बनाए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में गरीबों को आवास की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। जिन गरीबों के पास अपनी जमीन है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जा रहा है। जिनके पास अपनी स्वयं की भूमि नहीं है, उन्हें विकास प्राधिकरण द्वारा अन्य योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। गत वर्ष दीपावली पर मानबेला क्षेत्र में यहां के नागरिकों के लिए आवासीय सुविधा का लोकार्पण किया गया था। आज रासीनगर विस्तार में गरीबों को आवासीय सुविधा का लाभ दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी व्यक्ति के लिए आवास का निर्माण एक उपलब्धि है। यदि उस व्यक्ति की मेहनत के साथ शासन-प्रशासन का भी सहयोग हो जाए, तो यह उपलब्धि उसके लिए आजीवन यादगार बन जाती है। स्पोर्ट्स सिटी में आवासीय सुविधा का उपलब्ध होना ना केवल लोगों के जीवन को आसान बनाता है, बल्कि उन्हें खुशहाली से भी प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह नए भारत के नए उत्तर प्रदेश का नया गोरखपुर है। अब यह अपनी पहचान के लिए मोहताज नहीं है। पहले गोरखपुरवासियों को कहीं जाना होता था, तो अपनी पहचान छुपानी पड़ती थी। उनके सामने पहचान का संकट था। 08 वर्ष पहले तक इस सीजन में यहां इंसेफेलाइटिस से हजारों बच्चों की मृत्यु होती थी। अब बीमारी के कारकों को ढूंढकर उसका इलाज किया गया है। यह उपचार केवल बीमारी का ही नहीं किया गया, बल्कि उस बीमार मानसिकता का भी किया गया है, जो गोरखपुर और उत्तर प्रदेश के विकास में बाधक थी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब प्रदेश में माफिया प्रवृत्ति के लोग नहीं हैं। बेटी और व्यापारी सहित सभी नागरिक सुरक्षित हैं। आमजन को सुविधाएं तथा नौजवानों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहे हैं। पिछली सरकारों ने यहां फर्टिलाइजर कारखाना बन्द कर दिया था।

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईसीए पर 11वें दौर की वार्ता नई दिल्ली में संपन्न

(जीएनएस)।

भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईसीए) पर 11वें दौर की वार्ता 18-23 अगस्त 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित की गई। इससे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के साझा उद्देश्य को और बल मिला।

पिछले दौरों और अंतर-सत्रीय बैठकों में हुई प्रगति के आधार पर वार्ता में वस्तुओं, सेवाओं और गतिशीलता, डिजिटल व्यापार, उत्पत्ति के नियम, कानूनी और संस्थागत प्रावधान, पर्यावरण, श्रम और लिंग सहित कई क्षेत्रों को शामिल किया गया। इससे शेष प्रावधानों में अभिसरण के लिए बेहतर समझ विकसित हुई।

दोनों पक्षों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईसीए को आगे बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि यह दोनों पक्षों के लिए सार्थक लाभ, आर्थिक अवसर और संतुलित परिणाम प्रदान करे। बातचीत में तेजी बनाए रखने और अभिसरण के लिए दोनों साझेदार वर्चुअल इंटरसेशन के माध्यम से वार्ता जारी रखेंगे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया भविष्य की ओर देखते हुए और भविष्य के लिए तैयार ढाँचे की दिशा में काम करने की साझा महत्वाकांक्षा और आपसी समझ के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक आर्थिक सहयोग के शीघ्र समापन के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे भारत अनेक व्यापार समझौतों के माध्यम से अपनी उपस्थिति लगातार बढ़ा रहा है, यह दौर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक आकांक्षाओं के साथ आर्थिक साझेदारी को बढ़ाने की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

'अब होगा संतुलन' सर्जियो गोर को भारत में यूएस एंबेसडर बनने पर शशि थरूर ने कही यह बड़ी बात

(जीएनएस)।

अमेरिका और भारत के कूटनीतिक रिश्तों में नई शुरूआत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक, सर्जियो गोर को भारत का नया राजदूत नियुक्त किया है।

गोर वर्तमान में व्हाइट हाउस प्रेसिडेंशियल पर्सनेल ऑफिस के निदेशक हैं और उन्हें दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के लिए विशेष दूत की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी दी गई है। 38 वर्षीय गोर को ट्रंप के नजदीकी सहयोगी माने जाते हैं।

माना जा रहा है कि गोर की यह नियुक्ति भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को नई मजबूती देगी और दोनों देशों के बीच संवाद और सहयोग को आगे बढ़ाएगी। हाल के दिनों में व्यापार और कूटनीतिक मुद्दों को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में तनाव देखने को मिला था।

थरूर ने क्या कहा?

कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने इस नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह अच्छी बात है कि आखिरकार भारत में अमेरिका का राजदूत नियुक्त हो गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "किसी भी हाल में यह अच्छी खबर है कि अब भारत में अमेरिका का राजदूत मौजूद रहेगा।"

थरूर ने यह भी कहा कि अगर दक्षिण एशिया मामलों के लिए सहायक विदेश सचिव की नियुक्ति भी जल्दी हो जाए, तो दोनों देशों के बीच संवाद और अधिक स्थिर हो सकता है।

भारतीय मूल की उद्यमी आशा जाडेजा का बयान

भारतीय मूल की वेंचर कैपिटलिस्ट आशा जाडेजा मोटवानी ने अपने पोस्ट में लिखा कि ट्रंप ने अपने सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी को भारत का राजदूत बनाकर एक मजबूत संकेत दिया है। उनके अनुसार, गोर की नियुक्ति से भारत को सीधे व्हाइट हाउस तक पहुंचने का मौका मिलेगा और वे स्पष्ट राय देंगे कि किन मुद्दों को तेजी से आगे बढ़ाना जरूरी है।

भारत-अमेरिका संबंधों में नई उम्मीद

गोर की नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब भारत-अमेरिका संबंध कुछ तनावपूर्ण रहे हैं। हाल ही में अमेरिका ने भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया था, जिसमें अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ भी शामिल था। ट्रंप प्रशासन ने इसका कारण भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना बताया था।

हालांकि, गोर की नियुक्ति को भारतीय राजनयिक एक सकारात्मक कदम मान रहे हैं। माना जा रहा है कि इस फैसले से दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच संबंधों में मजबूती आएगी और संचार को नया आयाम मिलेगा।

सेना के जवान से अभद्रता करने के मामले में एनएचएआई की सख्ती, प्रक्रिया में भाग लेने से प्रतिबंधित किया

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 17 अगस्त 2025 को मेरठ-करनाल सेक्शन (एनएच-709अ) स्थित भूनी टोल प्लाजा पर टोल स्टाफ द्वारा सेना के जवान से अभद्र व्यवहार किए जाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित टोल एजेंसी का अनुबंध तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। साथ ही, एजेंसी को एक वर्ष तक किसी भी निविदा प्रक्रिया में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। एनएचएआई ने इस टोल एजेंसी पर 20 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। इसके अतिरिक्त, एजेंसी की 3.66 करोड़ रुपये की परफॉर्मेंस सिक्योरिटी को जब्त करते हुए भूनी टोल प्लाजा पर क्षतिग्रस्त हुए उपकरणों और बुनियादी ढांचे की मरम्मत/प्रतिस्थापन लागत के लिए समायोजित किया जाएगा।

भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है: प्रधानमंत्री

सुधार युवाओं और स्टार्टअप्स को नई संभावनाओं की तलाश के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि भारत 140 करोड़ भारतीयों के कौशल और प्रतिभा से प्रेरित होकर अंतरिक्ष की दुनिया में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हमारी सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में कई सुधार किए हैं। इससे युवाओं, निजी क्षेत्र और स्टार्टअप्स को नई संभावनाओं की तलाश करने और भारत की अंतरिक्ष यात्रा में सार्थक योगदान देने के लिए प्रोत्साहन मिला है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में देश अंतरिक्ष क्षेत्र में और भी नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। श्री मोदी ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा और भारत के अंतरिक्ष स्टार्टअप्स की उपलब्धियों के बारे में MyGovIndia के थ्रेड पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने कहा;

'140 करोड़ भारतीयों के कौशल से प्रेरित होकर, हमारा देश अंतरिक्ष की दुनिया में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। और, हम इससे भी आगे बढ़ेंगे!

#NÔtianalSpaceDay'

'हमारी सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में विभिन्न सुधार शुरू किए हैं। इससे युवाओं, निजी क्षेत्र और स्टार्टअप्स को नए क्षेत्रों की खोज करने और भारत की अंतरिक्ष यात्रा में सार्थक योगदान देने के लिए प्रोत्साहन मिला है।

बदल गए प्रो कबड्डी लीग में कई नियम, इस बार रोमांचक होगा टूर्नामेंट

प्रो कबड्डी लीग ने सीजन 12 के लिए फॉर्मेट में महत्वपूर्ण प्रारूप परिवर्तनों की घोषणा की है। इसके माध्यम से एक धांसू लीग चरण और नए प्लेऑफ ढाँचे की शुरूआत की गई है, जो प्रतिस्पर्धा को रोमांचक कबड्डी एक्शन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। आगामी सीजन 29 अगस्त से शुरू होगा और इसके मैच विशाखापट्टनम, जयपुर, चेन्नई और दिल्ली में आयोजित किए जाएँगे।

इस बार लीग स्टेज में कुल 108 मुकाबले होंगे, जिसमें हर टीम 18 मैच खेलेगी।

'उसका बाप उधर बैठा है', IND-PAK मैच पर संजय राउत की अपत्ति पर नितेश राणे ने किया पलटवार

एशिया कप के तहत होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में जमकर हंगामा मचा हुआ है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत और प्रियंका चतुर्वेदी ने इस पर आपत्ति जताई है। संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे गए अपने लेटर में पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए इस मैच पर कड़ी आपत्ति जताई। संजय राउत की इस आपत्ति पर महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने संजय राउत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा उनकी पार्टी को संजय राउत जैसे लोगों से देश भक्ति का सर्टिफिकेट नहीं चाहिए।

गिरिराज सिंह ने तेजस्वी को बताया दुर्योधन, 'राजा बन गए तो महाभारत होगा'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, नेताओं के बीच जुबानी जंग भी शुरू हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी ने गयाजी रैली में विपक्ष पर जमकर निशाना साधा था। दूसरी ओर वोट अधिकार यात्रा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने बीजेपी और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा है। इधर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने चुनाव से पहले तेजस्वी यादव और उनके पिता लालू को खूब सुनाया है। केंद्रीय मेंत्री ने कहा कि लालू खुद धृतराष्ट्र बन गए हैं और तेजस्वी दुर्योधन हैं।

गिरिराज सिंह ने आरजेडी सुप्रीमो और पूर्व डिप्टी सीएम पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा, 'लालू प्रसाद यादव धृतराष्ट्र हैं और और तेजस्वी यादव दुर्योधन हैं। जैसे दुर्योधन का राजा बनने का सपना अधूरा रह गया, वैसे ही तेजस्वी की गद्दी की चाहत पूरी नहीं होगी। बिहार ने जंगलराज के परिणाम भुगते हैं और दोबारा इसे स्वीकार नहीं करेगा।'

बिहार विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर में प्रस्तावित हैं। कुछ ही दिनों में चुनाव आयोग की ओर से मतदान की तारीखों का ऐलान किया जा सकता है। इससे पहले राजनीतिक दलों और प्रमुख नेताओं की सक्रियता बढ़ गई है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव वोट अधिकार यात्रा में व्यस्त हैं। इंडिया अलायंस के दूसरे सहयोगी दल समाजवादी पार्टी और डीएमके भी इसमें शामिल होने वाले हैं। इधर नीतीश कुमार और बीजेपी भी लगातार नई योजनाओं का ऐलान कर रहे हैं।

इन सबके बीच नेताओं की बयानबाजी का दौर भी चल रहा है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू प्रसाद हर हाल में चाहते हैं कि उनका बेटा मुख्यमंत्री बने।

यात्रियों की सुविधा हेतु 29 अगस्त को भावनगर से बान्द्रा टर्मिनस के लिए चलेगी 'स्पेशल ट्रेन'

टिकटों की बुकिंग 24 अगस्त (रविवार) से शुरू होगी

पर्युषण पर्व के दौरान होने वाली भीड़ को समायोजित करने और यात्रियों की सुविधा हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा भावनगर टर्मिनस और बांद्रा टर्मिनस के बीच विशेष किराए पर 'स्पेशल ट्रेन' चलाने का निर्णय लिया गया है। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इस विशेष ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:-

- ट्रेन नंबर 09210/09209 भावनगर - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन नंबर 09210 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल 29 अगस्त, 2025 (शुक्रवार) को भावनगर टर्मिनस से रात्रि 20.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 10.20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 09209 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल 30 अगस्त, 2025 (शनिवार) को बांद्रा टर्मिनस से दोपहर 13.50 बजे प्रस्थान करेगी और प्रातः 04.30 बजे भावनगर टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सिहोर (गुजरात), सोनगढ़, धोला, बोटाद, सुरेन्द्रनगर गेट, विरमगाम, अहमदाबाद, वडोदरा, भरूच, सूरत, नवसारी, वलसाड, वापी, पालघर एवं बोरीवली स्टेशनों पर रूकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, शयनयान और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09210 एवं 09209 के लिए टिकटों की बुकिंग 24.08.2025 (रविवार) से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। इस ट्रेन के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के अवसर पर संबोधन

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) नई दिल्ली, पूसा में आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस कार्यक्रम का विषय 'कृषि परिवर्तन के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास' था। इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम. एल जाट सहित वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित रहें।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि मेरी अत्यधिक इच्छा थी कि 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' का कार्यक्रम आईसीएआर में भी मनाया जाए।

अंतरिक्ष विज्ञान के माध्यम से आज हम देश और दुनिया में बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि खेती में प्रौद्योगिकी और विज्ञान कितना महत्वपूर्ण है। हमें इसे और आगे बढ़ाना होगा।

श्री चौहान ने कहा कि वैज्ञानिक के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है। हमने अनाज उत्पादन के नए रिकॉर्ड बनाए हैं और इसमें हमारे अंतरिक्ष विज्ञान का अतुलनीय योगदान है। आज कृषि के क्षेत्र में किसानों की मदद करने में अंतरिक्ष कार्यक्रम का महत्व उभरकर सामने आया है। क्रॉप आधुनिक महर्षि हैं। हमने खेती बदली है, खेती की दिशा बदली है, किसान की जिंदगी बदली है। जनता एवरेज प्रोडक्शन एस्टिमेशन का सवाल हो, फसल प्रणाली हो, गेहूं, धान, सरसों, कपास, गन्ना इत्यादि का उत्पादन, क्षेत्रफल का सटीक रूप से अनुमान लगाना या मौसम की जानकारी सहित अन्य विषय, सभी में अंतरिक्ष विज्ञान की अहम भूमिका है।

श्री चौहान ने कहा कि एक समय था जब कहावतों और मान्यताओं के आधार पर मौसम का अनुमान लगाया जाता था, लेकिन आज इसरो द्वारा विकसित 'जियो पोर्टल' के माध्यम से सूखे-बारिश व मौसम की लगभग सटीक जानकारी मिलने लगी है, इसका जनता की जिंदगी में कितना महत्व है, इसका हम सभी को आभास है।

दादा निर्मल केसवानी की पुण्यतिथि: भोपाल में बच्चों को शिक्षण सामग्री, श्रद्धांजलि के साथ समाजसेवा की नई परंपरा

(जीएनएस)।

दादा निर्मल केसवानी भोपाल के एक ऐसे समाजसेवी थे, जिन्होंने अपने जीवनकाल में शिक्षा, एकता, और मानवता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी विचारधारा थी कि समाज का सच्चा उत्थान तभी संभव है, जब बच्चे शिक्षित और जागरूक हों। उनकी स्मृति में हर साल उनकी पुण्यतिथि पर शिक्षा और समाजसेवा से जुड़े आयोजन किए जाते हैं, जो उनकी विरासत को जीवित रखते हैं।

23 अगस्त 2025 को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर भोपाल में निर्माण परिवर्तन संस्था ने आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बच्चों को किताबें, कॉपियां, पेंसिल, और अन्य शिक्षण सामग्री वितरित की गई। आयोजनकताओं ने बताया कि

जब बच्चों ने यह सामग्री प्राप्त की, तो उनके चेहरों पर आई मुस्कान दादा केसवानी के सपनों को साकार करने का प्रतीक थी।

निर्माण परिवर्तन के प्रतिनिधि ने बताया कि दादा केसवानी का मानना था कि शिक्षा समाज की असली पूंजी है। वे हमेशा बच्चों की पढ़ाई को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत रहते थे। उनकी इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए संस्था ने हर साल पुण्यतिथि पर शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की परंपरा शुरू की है। इस वर्ष के आयोजन में आंगनबाड़ी केंद्रों के नन्हे-मुन्नों को शिक्षण सामग्री प्रदान कर उनकी पढ़ाई को आसान बनाने का प्रयास किया गया।

एक स्थानीय शिक्षक ने कहा, "दादा केसवानी की स्मृति में यह कार्यक्रम बच्चों के लिए नई राह खोल रहा है। यह छोटा सा प्रयास भविष्य में बड़े बदलाव ला सकता है।"

सुबह 10:30 बजे: शांति पाठ और हवन का आयोजन, जिसमें समाजसेवी, स्थानीय नागरिक, और दादा केसवानी के अनुयायी शामिल होंगे। यह कार्यक्रम दादा केसवानी की आत्मा की शांति और उनके आदर्शों को याद करने के लिए आयोजित किया जाएगा।

शाम 6:00 बजे: भोपाल के शीतल दास की बगिया में झूलेलाल की फौज संस्था द्वारा पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम पूरी तरह भावनात्मक होगा, जहां दादा केसवानी के समाजसेवा के कार्यों को साझा किया जाएगा और उनके अधूरे सपनों को पूरा करने की योजनाओं पर चर्चा होगी।

आईएनएस तमाल ने ग्रीस की सौडा खाड़ी में बंदरगाह पर अपनी यात्रा पूरी की

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना का आधुनिकतम और उन्नत तकनीकों से लैस युद्धपोत आईएनएस तमाल भारत में अपने घरेलू बंदरगाह के लिए आने के मार्ग में 19-22 अगस्त, 2025 को ग्रीस के सौडा खाड़ी में रुका। बंदरगाह पर आगमन के दौरान भारतीय जहाज के चालक दल ने हेलेनिक नौसेना और नाटो अधिकारियों के साथ बातचीत की। इसमें 19 अगस्त, 2025 को सौडा खाड़ी नौसेना बेस पर कमांडर कमोडोर डायोनिसियोस मंतादाकिस, नाटो समुद्री अवरोधन परिचालन प्रशिक्षण केंद्र (एनएमआईओटीसी) के प्रमुख कैप्टन कोप्लाकिस इलियास और अमरीकी नौसेना के नौसेना सहायता गतिविधि के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन स्टीफन स्टीसी से कमांडिंग ऑफिसर की मुलाकात भी शामिल थी। बैठकों के दौरान चर्चा परिचालन संबंधी मामलों और समुद्री सहयोग पर केंद्रित रही। आईएनएस तमाल के चालक दल के लिए सौडा खाड़ी में इतालवी नौसेना के लैंडिंग हेलीकॉप्टर डॉक, बहु-भूमिका वाले हमले की इकाई आईटीएस ट्राइस्टे पर एक क्रॉस डेक दौरा आयोजित किया गया।

ग्रीस में भारत के राजदूत रुद्रेन्द्र टंडन ने 20 अगस्त, 2025 को जहाज का दौरा किया और चालक दल के साथ बातचीत की। चालक दल ने युद्धपोत के बंदरगाह प्रवास के दौरान, सौडा नौसेना बेस और आयुध सुविधा, एनएमआईओटीसी और स्थानीय समुद्री संग्रहालय का दौरा किया। जहाज के चालक दल ने क्रेते में द्वितीय विश्व युद्ध के कब्रिस्तान में श्रद्धांजलि अर्पित की।

आईएनएस तमाल 22 अगस्त, 2025 को सौडा खाड़ी से रवाना हुआ और उसने हेलेनिक नौसेना की रूसेन श्रेणी की गश्ती नौका एचएस रिटोस के साथ एक अभ्यास में भाग लिया, जिसका उद्देश्य नौसेनाओं के बीच आपसी सहभागिता को बढ़ावा देना था।

आईएनएस तमाल का बंदरगाह पर आगमन भारत द्वारा ग्रीस के साथ अपने संबंधों को दिए जाने वाले महत्व और दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग को सशक्त करने के प्रयासों को दर्शाता है। इसने दोनों नौसेनाओं को सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करने और संयुक्त सहयोग के लिए

'अगर गृह मंत्री उस फैसले को', अमित शाह के आरोपों पर राष्ट्रपति उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने दिया जवाब

(जीएनएस)।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाला है। 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए भाजपा ने एनडीए की ओर से सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बताया है और विपक्षी इंडिया गठबंधन ने बी सुदर्शन रेड्डी को इस पद के लिए उम्मीदवार बनाय है।

विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस आरोप पर कि कांग्रेस ने "नक्सलवादी सोच" वाले व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया है (क्योंकि रेड्डी उस सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हिस्सा थे जिसमें सलवा जुडूम को असंवैधानिक ठहराया गया था)। शाह के इस आरोप पर सुदर्शन रेड्डी ने अब खुलकर जवाब दिया है।

आज तक को दिए इंटरव्यू में विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने अपनी उम्मीदवारी को सैद्धांतिक प्रतिस्पर्धा" बताया है। उन्होंने साफ किया कि वो किसी भी राजनीतिक दल से संबद्ध नहीं हैं और न ही ऐसा करने का उनका कोई इरादा है।

अमित शाह के आरोप का जवाब देते हुए सुदर्शन रेड्डी ने कहा "सलवा जुडूम पर दिया गया फैसला सुप्रीम कोर्ट का था, केवल मैंने लिखा था। यह मेरा व्यक्तिगत जजमेंट नहीं था। अगर गृह मंत्री उस फैसले को पढ़ लें तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।"

सुदर्शन रेड्डी ने अमित शाह से

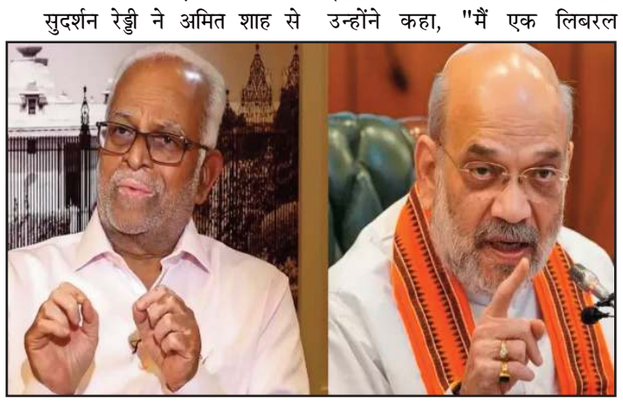

सवाल किया कि वे इतने सालों तक चुप क्यों रहे। उन्होंने कहा, "मैं यहीं भारत में था, तब उन्होंने क्यों नहीं कहा कि नक्सलवाद मेरे कारण खत्म नहीं हुआ। अब वह इसे मुद्दा बना रहे हैं, उन्हें हक है, बना सकते हैं। लेकिन इतने साल तक चुप क्यों रहे?"

सुदर्शन रेड्डी बोले- एक लिबरल कॉन्स्टिट्यूशनल डेमोक्रेट हूं

सुदर्शन रेड्डी ने कहा उपराष्ट्रपति का चुनाव राजनीतिक दलों द्वारा नहीं सांसदों द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा मेरी विचारधारा पूरी तरह से भारतीय संविधान पर आधारित है। कॉन्स्टिट्यूशनल डेमोक्रेट हूं और मेरा विश्वास सिर्फ संविधान पर है।"

दो दक्षिण भारतीयों के बीच मुकाबले पर क्या बोले सुदर्शन रेड्डी

"संघ बनाम संविधान" की बहस पर टिप्पणी करते हुए, जिसे विपक्ष ने इस चुनाव के मुख्य विषय के रूप में प्रस्तुत किया है, रेड्डी ने कहा कि यह किसी राज्य की पहचान या "तेलुगु प्राइड बनाम तमिल प्राइड" का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा, "हम सब भारतीय नागरिक हैं। किसी का तमिलनाडु में जन्म हुआ और मेरा तेलंगाना में, इसमें गर्व या प्रतिस्पर्धा जैसी कोई बात नहीं है।"

उन्होंने बताया कि वे 50 से अधिक वर्षों से संविधान की एक प्रति अपने साथ रखते हैं, क्योंकि उनके लिए इसमें हर प्रश्न का उत्तर निहित है। उन्होंने कहा, "मैं एक लिबरल

चंद्रबाबू नायडू के रुख पर क्या बोले सुदर्शन?

चंद्रबाबू नायडू के रुख पर प्रतिक्रिया देते हुए, रेड्डी ने स्वीकार किया कि तेलुगु देशम पार्टी "तेलुगु प्राइड" के नारे के साथ बनी थी, लेकिन मौजूदा उपराष्ट्रपति चुनाव को इस संदर्भ में देखना उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि वे सभी दलों के सांसदों से समर्थन मांगेंगे क्योंकि वे किसी एक दल के प्रतिनिधि नहीं हैं।

सुदर्शन बोले- मैं एनडीए सांसदों से वोट की अपील करूंगा

समर्थन जुटाने की अपनी कोशिशों के बारे में रेड्डी ने बताया कि विपक्षी दलों के अलावा, वे बीआरएस और वाईएसआरसीपी जैसे क्षेत्रीय दलों से भी बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "मैं सभी सांसदों को लिखूंगा, चाहे वे किसी भी दल के हों, यहां तक कि एनडीए सांसदों को भी अपील करूंगा कि वे मुझे वोट दें।"

मुझे विश्वास है कि हम सफल होंगे

पिछली बार गोपालकृष्ण गांधी को क्रॉस वोटिंग के कारण कम वोट मिलने की स्थिति पर जब उनसे पूछा गया कि क्या इस बार भी वही स्थिति रहेगी, तो रेड्डी ने कहा, "मैं इस पर अटकलें नहीं लगाना चाहता, लेकिन मुझे विश्वास है कि हम सफल होंगे।"

'स्वास्थ्य कोई सीमा नहीं जानता; सहयोग लचीला चिकित्सा उपकरण पारिस्थितिकी तंत्र की कुंजी है': श्री अमित अग्रवाल, सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग

श्री अमित अग्रवाल ने कहा, भारत वैश्विक मेडटेक केंद्र के रूप में उभरने की नींव रख रहा है

(जीएनएस)।

श्री अमित अग्रवाल, सचिव, फार्मास्युटिकल्स विभाग ने कल 'मेडिकल-टेक नवाचारों के लिए अंतर-क्षेत्रीय नेटवर्किंग का लाभ उठाना' सत्र की अध्यक्षता की। यह दो दिवसीय दक्षिण पूर्व और दक्षिण एशिया क्षेत्रीय बैठक 'सार्वजनिक स्वास्थ्य में स्वास्थ्य अनुसंधान और नवाचार: रिसर्च प्लेटफॉर्म पर अच्छे प्रथाओं का आदान-प्रदान' के हिस्से के रूप में स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। सत्र में भारत, नेपाल, श्रीलंका, भूटान और तिमोर-लेस्ते की सरकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों के वरिष्ठ स्वास्थ्य पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य अनुसंधान प्रणालियों को मजबूत करने, अच्छे प्रथाओं के आदान-प्रदान की सुविधा और दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में सीमा पार सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया। बैठक दक्षिण

और दक्षिण पूर्व एशिया स्वास्थ्य अनुसंधान (रिसर्च) प्लेटफॉर्म के लिए क्षेत्रीय प्रवर्तक का हिस्सा है

सत्र को संबोधित करते हुए, औषधि विभाग के सचिव, श्री अमित अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि "स्वास्थ्य की कोई सीमा नहीं होती"। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने लचीली और मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणालियाँ बनाने के लिए, सीमाओं के पार, विभिन्न क्षेत्रों के बीच, सरकारी विभागों और सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों के बीच सहयोग की महत्वपूर्ण आवश्यकता को दर्शाया है।

श्री अग्रवाल ने केवल तकनीक और कुशल जनशक्ति के माध्यम से, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की स्थापना, वैश्विक रूप से सुसंगत मानकों को अपनाने और नवीन उपकरणों के लिए नैदानिक जांच को समर्थन देकर, चिकित्सा उपकरण क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्थाएँ हासिल की जा सकें और राष्ट्रीय सीमाओं से परे भी मांग को बढ़ाया जा सके। भारत में चिकित्सा उपकरण पार्कों के निरंतर विकास और आईसीएमआर की मेडटेक मित्र और पेटेंट मित्र पहलों, नैदानिक परीक्षण सहायता योजनाओं और मजबूत अनुसंधान प्लेटफार्मों के साथ, भारत व्यवस्थित रूप से एक महत्वपूर्ण मेडटेक नवाचार केंद्र के रूप में उभरने की नींव रख रहा है।

सचिव ने कुशल मानव पूंजी के विकास में राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) के योगदान पर भी प्रकाश डाला। चिकित्सा उपकरणों पर विशेष पाठ्यक्रम अब सात एनआईपीईआर में चलाए जा रहे हैं, और इन्हें विदेशी नागरिकों के लिए भी खोल दिया गया है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि डिजिटलीकरण के माध्यम से चिकित्सा प्रौद्योगिकियाँ अस्पतालों से घरों तक पहुँचेंगी, जिससे स्वास्थ्य सेवा अधिक सुलभ और सस्ती हो जाएगी। उन्होंने औषधि विभाग द्वारा विकसित "अकादमिक से उद्योग: डिस्कवरी मार्केटप्लेस" प्लेटफॉर्म के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य उद्योग, स्टार्टअप्स, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों और फार्मा-मेडटेक क्षेत्र के अन्य हितधारकों को नवीन उत्पादों के लिए साझेदारी, सहयोग और गठजोड़ के लिए जोड़ने में सक्षम बनाना और वाणिज्यिक और सार्वजनिक हित दोनों के लिए सफलताओं को बढ़ावा देना है।

अब वंदे भारत जैसी ट्रेन में नहीं होंगे लोको पायलट!

(जीएनएस)।

लखनऊ में रेलवे अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का उपयोग करके ट्रेनों के संचालन को बेहतर बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ने एक एआई सेल बनाया है। यह सेल ट्रेनों के संचालन सुरक्षा और क्रू प्रबंधन में एआई के इस्तेमाल की संभावनाओं पर विचार करेगा। बताया जा रहा है कि वंदे भारत समेत कई ट्रेन में इस तकनीक का इस्तेमाल हो सकता है। इससे लोको पायलट पर निर्भरता खत्म हो सकती है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के बाद हो सकता है कि भविष्य में बिना लोको पायलट के ट्रेन दौड़ती हुए दिखेगी। भविष्य में ट्रेनों के आपरेशन में एआई की मदद कैसे ली जा सकती है? इसका पता लगाने के लिए उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन ने पहल की है। रेलवे ने आपरेटिंग एआई सेल बनाया है।

बदलेगी रेलवे की तस्वीर

मेट्रो सेवाओं में ड्राइवर के बिना

ट्रेन दौड़ाने की तकनीक पहले ही आ चुकी है। रेलवे में आइआरसीटीसी फिलहाल एआई का उपयोग यात्रियों के सवालों के जवाब देने के लिए कर रहा है। अब वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी आधुनिक ट्रेनों के फीचर एआई को सपोर्ट कर सकते हैं। सेमी हाइस्पीड ट्रेनों की कैब सिग्नलिंग प्रणाली को और आधुनिक किया जा रहा है। लखनऊ से कानपुर के बीच जो 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की क्षमता वाला ट्रैक बिछाया जा रहा है, उसमें भी लोको पायलट को उनके क्रू केबिन में ही सिग्नल और पटरियों पर आने वाले अवरोध बहुत दूर से दिखाई देंगे। इतना ही नहीं कवच प्रणाली आने से एक पटरी पर आयी ट्रेनों की टक्कर की घटना भी रुक सकेगी।

कैब सिग्नलिंग और अपने आधुनिक हो रहे माइक्रोप्रोसेसर यूनिट को एआई से लिंक करने के लिए रेलवे ने बड़े पैमाने पर तैयारी शुरू कर दी है। इससे पहले रेलवे फिलहाल स्टेशनों पर ट्रेनों के खाली रेक की शंटिंग और लोको पायलटों की ड्यूटी लगाने वाले क्रू मैनेजमेंट सिस्टम में एआई का उपयोग करेगा। रेलवे का यह ट्रेन आपरेशन के लिए अपनी तरह का पहला एआई सेल बनाया गया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक सेल में सभी आपरेटिंग मैन्यूअल में एआई उपयोग को लेकर रिसर्च चल रही है। साफ्टवेयर से जुड़े कुछ विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है। एक बार पायलट प्रोजेक्ट का माडयूल तैयार हो जाएगा तो सेंटर फार रेलवे इंफारमेशन सिस्टम (क्रिस) और रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के साथ इसका प्रस्तुतिकरण होगा।

भागलपुर में 2 पाकिस्तानी महिलाओं के नाम मिले वोटर लिस्ट में, गृह मंत्रालय की जांच से हड़कंप

(जीएनएस)।

बिहार में विपक्षी दल वोटर संशोधन लिस्ट (रक्फ़) पर सरकार को घेर रहे हैं। चुनाव में अनियमितता और वोट चोरी के आरोप लगाते हुए राहुल गांधी और तेजस्वी यादव समेत कई विपक्षी दल के नेता वोट अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं। इधर वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया पर अब तक सुप्रीम कोर्ट ने भी रोक नहीं लगाई है। गृह मंत्रालय ने हाल ही में वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे विदेशियों जांच शुरू कर दी थी। इसी प्रक्रिया के दौरान तीन पाकिस्तानी नागरिकों के भागलपुर में रहने की पुष्टि हुई है।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भागलपुर में दो महिलाओं समेत तीन पाकिस्तानी नागरिकों के मिलने की पुष्टि हुई है। गृह मंत्रालय की जांच से हड़कंप मच गया है। गृह मंत्रालय की ओर से की गई जांच में यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। पाकिस्तान से आई दो महिलाओं के नाम भागलपुर की मतदाता सूची में दर्ज हो गए थे और उन्हें वोटर आईडी कार्ड भी जारी कर दिए गए थे।

SIR प्रक्रिया में गड़बड़ी के दावों के बीच चौंकाने वाली खबर

बिहार में वोटर संशोधन लिस्ट प्रक्रिया में गड़बड़ी का दावा विपक्षी दल समेत कई एनजीओ भी कर रहे हैं। इस बीच भागलपुर जिले में तीन पाकिस्तानी नागरिकों के रहने की पुष्टि हुई है। इनमें दो महिलाएं -इमराना खानम उर्फ इमराना खातून, फिरदौसिया खानम का नाम सामने आया है।

जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि ये दोनों महिलाएं भारत में रह रही हैं, लेकिन इनकी नागरिकता में परिवर्तन नहीं आया था। इन्हें वोटर कार्ड जारी कर दिया गया है और इससे प्रशासनिक हलके में हड़कंप मच गया है। वोटर लिस्ट संशोधन पर विपक्षी दल गड़बड़ियों का दावा कर रहे हैं, जिस पर चुनाव आयोग ने सफाई देते हुए कहा है कि इतनी बड़ी प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ी रह सकती है।

जिलाधिकारी ने दिया कार्रवाई का आदेश

क्राइम ब्रांच की इस रिपोर्ट के बाद प्रशासन एक्शन मोड में है। भागलपुर जिला प्रशासन ने कार्रवाई का निर्देश दिया है। भागलपुर के जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने कहा कि दोनों महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट में शामिल होने की जानकारी हमें मिली है। इसे सूची से हटाने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि हमारे संज्ञान में यह मामला आया है। इसमें शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह जांच का विषय है कि किसकी लापरवाही से ये तीन पाकिस्तानी नागरिकों के नाम लिस्ट में शामिल किए गए हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

भारत से तेल या परिष्कृत पेट्रोलियम पदार्थ खरीदने में कोई समस्या है तो उसे न खरीदें-डॉ0 जयशंकर

जयशंकर की खरी-खरी विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सारे भ्रम दूर करते हुए दो टूक कहा कि उन्होंने अमेरिका में जैसे राष्ट्रपति आज हैं, वैसा उन्होंने कभी नहीं देखा जो सार्वजनिक तरीके से विदेश नीति का निर्धारण और संचालन करता हो। इकोनामिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम में विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर का जवाब राष्ट्रपति ट्रंप के बिजनेस सलाहकार पीटर नवारो के इस वक्तव्य के ठीक बाद आया जब उन्होंने भारत पर आरोप लगाया कि वह (यानि भारत) रूस से जो कच्चा तेल खरीद रहा है, वही कारण है रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का।

इसलिए जब तक भारत रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसे लाभ कमाने के लिए शोधित करके बेचता रहेगा तब तक यूक्रेन के लोगों का खून बहता रहेगा। विदेश मंत्री ने नवारो की बकवास का जवाब देते हुए कहा कि भारत रूस से रियायती मूल्य पर कच्चा तेल खरीद कर तथा फिर परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों को यूरोप और अन्य स्थानों पर ऊंची कीमतों पर बेच कर मुनाफाखोरी कर रहा है, का यह आरोप हास्यास्पद ही नहीं अजीब भी है।

उन्होंने कहा कि यदि आपको भारत से तेल या परिष्कृत पेट्रोलियम पदार्थ खरीदने में कोई समस्या है तो उसे न खरीदें। कोई आपको मजबूर नहीं करता। लेकिन यूरोप खरीदता है, अमेरिका खरीदता है, इसलिए यदि आपको पसंद नहीं है तो उसे न खरीदें।

सच तो यह है कि अमेरिका में जहां दोनों पार्टियों के नेता और अर्थशास्त्री ट्रंप के अज्ञानता पर यह कह कर सिर पीट रहे हैं कि ट्रंप ने भारत के साथ बने बनाए रिश्ते को बर्बाद कर दिया। निक्की हेली और बोल्टन की आलोचनाओं से तिलमिलाया नाटो कुछ भी कहे सत्य तो यही है कि अब ट्रंप प्रशासन एक बार फिर शीत युद्ध की तैयारी में है। इस बार लगता है कि अमेरिका भारत के खिलाफ, शीत युद्ध लड़ेगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब दुनिया नाटो और वारसा पैक्ट में बंट गईं तो दोनों के बीच जुबानी जंग भी शुरू हो गईं। यही जुबानी जंग शीत युद्ध के नाम से जानी जाती है। लगभग 5 दशक तक जो शीत युद्ध चला वह लोकतांत्रिक देशों यानि नाटो और साम्यवादी देश यानि वारसा पैक्ट के बीच सैद्धांतिक आधार पर छिड़ा था। लेकिन आज अमेरिका जिस तरह शीत युद्ध छेड़ने के लिए आमादा है, वह विशुद्ध रूप से व्यापारिक दादागिरी का परिणाम है। भारत को बाजार का टोटा नहीं है। इसलिए भारत अमेरिकी दादागिरी की परवाह भी नहीं करता। भारत की अर्थव्यवस्था तो पूरी तरह उपभोक्ता आधारित है। ट्रंप आज तक इस वास्तविकता को नहीं समझ पाए कि यह दुनिया देखते ही देखते बहुध्रुवीय हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति आज भी दुनिया को द्विध्रुवीय ही मान रहे हैं तो इसमें उन देशों की कोई गलती नहीं है। जिनसे ट्रंप भिड़ रहे हैं।

बहरहाल अमेरिकी प्रशासन के चुछ लाल बुझक्कड़ सलाहकारों के पास अपने देश के ही सामरिक विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों की आलोचनाओं का जवाब देना नहीं आ रहा है तो भारत का कोई दोष नहीं है। लेकिन ट्रंप विरोधी अमेरिकी विशेषज्ञों की यह बात तो शत प्रतिशत सही है कि अब यदि ट्रंप प्रशासन टैरिफ में छूट दे भी दे तो भी नईं दिल्ली अमेरिकी प्रशासन पर कभी भी भरोसा नहीं करेगा क्योंकि भारत अब अमेरिका के प्रति सतर्व हो गया है।

अगरतला में 'उप-राष्ट्रीय सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की निगरानी को सुदृढ़ बनाना' पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा (एनआईएफ) के विकास तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप राज्य एवं जिला संकेतक रूपरेखाओं (एसआईएफ/डीआईएफ) के निर्माण में सहायता देने के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया

कार्यशाला में साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के तहत लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रति सभी हितधारकों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

(जीएनएस)।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई), भारत सरकार ने त्रिपुरा सरकार और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के सहयोग से 22 अगस्त 2025 को अगरतला, त्रिपुरा में 'उप-राष्ट्रीय एसडीजी निगरानी को मजबूत करने' पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया जो अभी भी अपने स्वयं के राज्य/केंद्र शासित प्रदेश संकेतक ढांचे को विकसित करने के प्रारंभिक चरण में हैं।

श्री बिकाश देबबर्मा, माननीय मंत्री, योजना (सांख्यिकी) विभाग, त्रिपुरा सरकार ने अपने उद्घाटन भाषण में रेखांकित किया कि सतत विकास लक्ष्यों के लिए एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाया गया है, जिसे लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के एक उपकरण के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसमें महिलाओं, बच्चों और समाज के कमजोर वर्गों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अतिरिक्त महानिदेशक श्री एससी मलिक ने अपने भाषण में कहा कि निरंतर विकास के लिए 2030 एजेंडा को प्राप्त करने के लिए स्थानीयकृत कार्रवाई और निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राष्ट्रीय संकेतक फ्रेमवर्क (एनआईएफ) विकसित करने और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप राज्य और जिला संकेतक फ्रेमवर्क (एसआईएफ/डीआईएफ) तैयार करने में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को समर्थन देने में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उच्च-गुणवत्ता, समय पर और विस्तृत डेटा की आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि निगरानी अपने आप में एक अंत नहीं है श्री मलिक ने भारत में सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए राज्यों, संबंधित मंत्रालयों और भागीदारों के साथ मिलकर काम करने की सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार श्री राजीव सेन ने अपने संबोधन में सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) निगरानी के माध्यम से संस्थानों को मजबूत करने और योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने पर जोर डाला। इसके बाद, त्रिपुरा सरकार के विशेष सचिव, योजना (सांख्यिकी) श्री अभिषेक चंद्रा ने अपने विशेष संबोधन में राज्य-स्तरीय डेटा प्रणालियों और स्थानीयकृत सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) निगरानी को मजबूत करके 2030 एजेंडा को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित की। यूएनडीपी के प्रतिनिधि और नीति विशेषज्ञ श्री जैमन उत्थुप ने मजबूत डेटा प्रणालियों, तकनीकी क्षमताओं और समावेशी निगरानी तंत्रों के निर्माण में भारत सरकार और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता पर बल दिया।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की संयुक्त निदेशक सुश्री सौम्या साक्षी और सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के उप निदेशक श्री अभिषेक गौरव ने राष्ट्रीय संकेतक ढांचे (एनआईएफ) और उप-राष्ट्रीय संकेतक ढांचे के माध्यम से भारत में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की निगरानी प्रणाली का अवलोकन प्रस्तुत किया। जो राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखा (एनआईएफ) और उप राष्ट्रीय संकेतक रूपरेखाओं के माध्यम से किया जा रहा है एमओएसपीआई ने इस बात पर बल दिया कि राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों को उप-राष्ट्रीय स्तर पर (एसडीजी) की निगरानी के लिए जिम्मेदार बनाया गया हैं। 2019 में, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों हेतु अपने-अपने एसडीजी की निगरानी के लिए दिशानिर्देश जारी किए, जिन्हें मार्च 2022 में अद्यतन कर और "उप-राष्ट्रीय स्तर पर एसडीजी पर निगरानी ढांचे पर मार्गदर्शन" रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित किया गया और सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को उनके एसआईएफ तैयार करने हेतु प्रेषित किया गया। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के प्रतिनिधि ने स्थानीयकरण पर विशेष जोर देते हुए एसडीजी निगरानी में सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं पर चर्चा की। इसके बाद, श्री चिरंजीव घोष, संयुक्त निदेशक, डीईएस त्रिपुरा ने राज्य संकेतक ढांचे (एसआईएफ) के विकास पर त्रिपुरा राज्य के अनुभव को साझा किया।

तकनीकी सत्रों का मुख्य उद्देश्य समूह अभ्यासों के माध्यम से राज्य की स्थिति का आकलन करना था, जिसका उद्देश्य प्रत्येक लक्ष्य की निगरानी के लिए प्रासंगिक संकेतकों की पहचान करना और मसौदा रूपरेखाएँ तैयार करना था। उन्होंने विभागीय ज़िम्मेदारियाँ सौंपकर, संकेतकों को प्राथमिकता देकर, और राज्य-विशिष्ट कार्य योजनाएँ तैयार करके कार्यान्वयन योजना पर भी ध्यान केंद्रित किया, साथ ही राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के संकेतक ढाँचों में क्रॉस-कटिंग प्राथमिकताओं—विशेषकर लिंग और जलवायु संबंधी विचारों—को एकीकृत किया।

कार्यशाला का समापन सभी सहभागी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपने उप-राष्ट्रीय सतत विकास लक्ष्य निगरानी ढाँचों को मजबूत करने, स्थानीय विकास प्राथमिकताओं पर ध्यान देते हुए राष्ट्रीय संकेतक ढाँचे के साथ संरेखण सुनिश्चित करने हेतु कार्रवाई करने के आ'ान के साथ हुआ। कार्यशाला में साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण और सतत विकास के 2030 एजेंडा के अंतर्गत लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रति सभी हितधारकों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई।

केरल के कुट्टनाड में मछली पालन को पुनर्जीवित करने के लिए केंद्र पायलट परियोजना शुरू करेगा

(जीएनएस)।

कोच्चिः केरल के कुट्टनाड में मछुआरा समुदाय के उत्थान के लिए एक बड़े कदम के रूप में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी, तथा अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन ने मत्स्य पालकों के लिए आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई पायलट परियोजना की घोषणा की है। कोच्चि स्थित आईसीएआर-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) में आयोजित एक बैठक में इसका निर्णय लिया गया।

इस नई पहल के अंतर्गत भारत सरकार का मत्स्य विभाग, कुट्टनाड में अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए आधुनिक और पारंपरिक जलीय कृषि पद्धतियों को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाएगा। इनमें एकीकृत मत्स्य पालन, पिंजरे में मछली पालन, सतत "एक मछली एक धान" पहल और बायोफ्लोक मत्स्य पालन शामिल हैं।

इस परियोजना के एक हिस्से के रूप में स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने और कामकाज को सुव्यवस्थित करने के लिए मत्स्य किसान उत्पादक संगठन (एफएफपीओ) का गठन किया जाएगा।

मंत्री जॉर्ज कुरियन ने कहा कि इस क्षेत्र के किसानों की आजीविका बढ़ाना इस पहल का प्रथम लक्ष्य है।

पायलट परियोजना के अंतर्गत किसानों को जलीय कृषि और इससे संबंधित अन्य गतिविधियों में जरूरी कौशल प्रदान करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। यह परियोजना स्टार्टअप्स को इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए प्रोत्साहित करेगी जो फसल कटाई के बाद की गतिविधियों जैसे प्रसंस्करण, सफाई, पैकिंग और मछली व्यापार पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और उपज का मूल्यवर्धन होगा।

कुट्टनाड के विविध जलीय वातावरण को देखते हुए इस परियोजना को मीठे और खारे पानी की खेती की अलग-अलग पहलों में विभाजित किया जाएगा जो विशेष रूप से ऊपरी और निचले कुट्टनाड की विशिष्ट परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी। तकनीकी और वैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए आईसीएआर अनुसंधान संस्थानों, केंद्रीय एजेंसियों और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) सहित प्रमुख अनुसंधान संस्थानों की विशेषज्ञता का लाभ उठाया जाएगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि इस पहल के तुरंत और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तुरंत तैयार की जाएगी जिससे कुट्टनाड क्षेत्र को महत्वपूर्ण और स्थायी आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर, मत्स्य विकास आयुक्त डॉ. मोहम्मद कोया, सीएमएफआरआई के निदेशक डॉ. ग्रिंसन जॉर्ज और सीएमएफआरआई की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. इमेल्डा जोसेफ ने भी अपने विचार रखे जबकि विभिन्न शोध संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और केवीके के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

जेल में रह कर सरकार चलाना अब संभव न होगा

केंद्र सरकार द्वारा राजनीति में भ्रष्टाचार रोकने के उद्देश्य से उठाया जाने वाला यह कदम स्वागतयोग्य है।

यदि यह विधेयक सर्वसम्मति से पास करके लागू किया जाए तो यह पूरे विश्व में एक नजीर होता कि भारत एक ऐसा लोकतांत्रिक देश है जहां अपने प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद को अपराधिक मामले में जेल जाने पर पद से हटा दिया जाता है।

जेल में रह कर सरकार चलाना अब संभव न होगा वुछ वर्ष पूर्व तक मैने एक लॉ के विद्यार्था, एक ब्यूरोक्रेट और लेखक स्तंभकार के रूप में यही जाना था कि यदि कोई व्यत्ति चौबीस घंटे से अधीक समाय के लिए जेल में होता है और किसी सरकारी पद पर आसीन हो जाता है तो उसे निलम्बित कर दिया जाता है और चार्ज शीट फाइल होने के बाद यदि ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषी करार दिया जाता है तो उच्च न्यायालय में दायर अपील का निस्तारण का इंतजार किए बगैर उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया जाती है। पर मंत्रियो और सांसदो के लिए स्थिति अलग है जबकि न्यायालय ने कई पैसले मेरे इन्हें भी पब्लिक सर्वेंट। माना हुआ है इन्हें उन्हीं की भांत वेतन मिलता है और उसके बाद पैंशन मिलती है। और हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था में लालवृष्ण आडवाणी ने एक ऐसा उच्च मानदंड स्थपित किया जो आज भी नैतिकता जीवनी में मिसाल के रूप में जाने जाता है, दषकों पहले हवाले कांड हुआ और उसमें अपना नाम आने पर संसद सदस्यों के रूप में त्याग पत्र दे दिया और राजनीतिक उत्तरदायित्व लेने से तब एक दूर रहे जब तक उन्हें क्लीन चिट नहीं मिल गए। उसी प्रकार उस समय के दिली के मुख्यमंत्री रहे मदन लल खुरानी साहब ने हवाले में जैन डायरी में अपना नाम आने परअपना नाम आने पर अपने पद से त्याग पत्र दे दिया था, यही नहीं चारा घोटाला में अपना नाम आने पर संभावित गिरफ्तारी से पूर्व बीहट के मुख्यमंत्री के पद से त्याग पत्र दे दिया और अपने स्थान पर अपनी पत्नी रबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया। पर यह प्रश्न कि की भी व्यत्ति जेल में रहने के बावजूद जेल से सड़कर चला सकता है तब खड़ा हुआ जब अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार उन्मूलन आन्दोलन से निकले अरविन्द केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद होने के बाद भी मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र नहीं दिया और जेल से ही सरकार चलाते रहे।

भविष्य में ऐसा न हो, ऐसी असहज स्थिति से निपटने के लिए वेंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन के मानसून सत्र समाप्त होने से दो दिन पूर्व लोकसभा में एक विधेयक पेश किया जिसके अनुसार अगर प्रधानमंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, वेंद्र या राज्य के मंत्री किसी गंभीर आपराधिक मामले में गिरफ्तार किए जाने है और वे जेल में तीस दिन से अधिक समय तक अंदर रहते हैं तो उन्हें तीस दिन के बाद अपने पद से त्याग पत्र देना होगा। यद्यपि अभी तक ऐसा प्रावधान न होने के कारण अरविद केजरीवाल कई माह तक जेल से ही अपनी सरकारी चलाते रहे। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक भ्रष्टाचार पर रोक लगाना था क्योंकि अरविद केजरीवाल जैसे कई नेता जेल जाने के बाद भी अपना पद नहीं छोड़ते।

इस विधेयक को संवैधानिक बदलाव की तरह देखा जा रहा है।

यह सही भी है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई आवश्यकता है पर इस विधेयक के दुरुपयोग होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले वुछ समय से जांच एजेंसियों ईंडी, आयकर विभाग, सी बी आईं का दुरूपयोग विपक्षी के नेताओं के खिलाफ करने के आरोपी लगने लगे हैं। लेकिन इन संशोधनों से सत्तारूढ़ पक्ष के उन नेताओ पर भी खतरा मंडरा सकता है जो नेतृत्व के निदेर्शों की अनदेखी कर के स्वच्छंद रूप से कार्य करते हैं और जबसे वेंद्र और राज्य सरकारों में एलायंस पार्टनर्स के साथ सरकारें चल रही हैं तो इस

600 साल पुराना है इजराइल का राष्ट्रगान, दिलचस्प है इसके बनने की कहानी, हमास से भी है कनेक्शन

(जीएनएस)।

इजराइल के राष्ट्रगान "हतिकवाह" की कहानी बेहद जटिल और कई दिलचस्प किस्सों से भरी है। यह सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि इतिहास, भावना और अनगिनत विवादों का संगम है। पियानोवादक और संगीतज्ञ एस्ट्रिथ बाल्टसन के अनुसार, हतिकवाह की हर परत में एक कहानी छिपी है, जो इसके अनंत इतिहास और भविष्य की उम्मीदों को दिखाती है।

इलान एवियातार ने 2010 में 'द जेरूसलम पोस्ट' में बाल्टसन के हवाले से ये बातें लिखी थीं। बाल्टसन ने "हतिकवाह - अतीत, वर्तमान, भविष्य" नामक पुस्तक लिखी है और "हतिकवाह - एक भजन का जन्म" शीर्षक से एक आकर्षक एकल शो भी प्रस्तुत करती हैं। यह राष्ट्रगान कई ऐसे तथ्यों को समेटे है जिनके बारे में अधिकांश लोगों को जानकारी नहीं है।

कौन थे हतिकवाह लिखने वाले नफ्ताली हर्ज इम्बेर?

हतिकवाह से जुड़ी कहानियों में कवि नफ्ताली हर्ज. इम्बेर का नाम सबसे ऊपर है। गैलिशिया (अब यूक्रेन) में 1856 में जन्मे इम्बेर ने नौ-छंदों वाली कविता "तिक्वातेनु" लिखी थी, जिसका पहला छंद ही आज हतिकवाह के रूप में गाया जाता है। 25 साल की उम्र में जब वे फिलिस्तीन के लिए निकले, तो उनकी जेब में एक अधूरी कविताओं वाली नोटबुक थी, जिसमें "तिक्वातेनु" भी शामिल थी।

कविता, प्यार और शराब

इजराइल स्टोरी पॉडकास्ट में, जेव लेवी बताते हैं कि इम्बेर रातों में स्थानीय लोगों के लिए अपनी कविताएं सुनाते थे, और दिन में, जब वे खेतों में काम करते थे, इम्बेर उनके वाइन सेलर पर छापा मारते थे। इम्बेर एक शराबी थे और 1887 में वे टूट चुके और नाखुश थे। बाल्टसन बताती हैं कि इम्बेर फिलिस्तीन छोड़कर न्यूयॉर्क चले गए, जहां उन्होंने एक ईसाई महिला से शादी की, जिसने धर्म परिवर्तन किया था, फिर उन्हें तलाक दिया और शराब से होने वाली लीवर की बीमारी से गरीबी में 53 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई।

लिरिक्स और बदलाव

हतिकवाह के बोलों में समय के साथ बदलाव आया है। इम्बेर की मूल कविता में "हतिकवा हनोशाना, ल'एरेट्ज आवोटेनु, ला'इर बा डेविड क'हाना" (पुरानी आशा, हमारे पूर्वजों की भूमि पर लौटने की, उस शहर में जहां डेविड ने डेरा डाला था) लिखा था। 1895 में, हिब्रू भाषा समिति के संस्थापक डेविड येलिन और बाद में ऋषोन हिब्रू स्कूल के प्रधानाध्यापक लेइब मात्मोन कोहेन ने इन शब्दों को बदलकर वर्तमान स्वरूप दिया। हतिकवाह के बोल वास्तव में दो उपवाक्यों वाला एक जटिल वाक्य है।

600 साल पुरानी धुन और आधुनिक स्वीकार्यता

हतिकवाह की धुन को लेकर एक बड़ी गलतफहमी है कि यह स्मेतना के 1874 के संगीत "डाई मोल्दाउ" से आई है। सच्चाई यह है कि हतिकवाह की धुन सदियों से दुनिया भर में यात्रा कर रही है, बिल्कुल डायस्पोरा यहूदियों की तरह। बाल्टसन ने पाया कि यह धुन 600 साल पुरानी है और सेफार्डी प्रार्थना "बिरकत हा'तल" से जुड़ी है।

इटली के गानों में हतिकवाह की धुन

इन्क्विज़िशन के बाद, जब यहूदी यूरोप में बिखर गए, तो यह धुन इटली तक पहुंची, जहां यह एक लोकप्रिय प्रेम गीत "फूगी, फूगी, अमोरे मियो" (भागो, भागो, मेरे प्यार!) बन गई। फिर यह एक रोमानियाई जिप्सी लोकगीत "कार्ट एंड ऑक्सन" में विकसित हुई। रोमानिया से फिलिस्तीन आए 17 साल के शमूएल कोहेन ने इस धुन का उपयोग हतिकवाह कविता के लिए किया, और यह तुरंत लोकप्रिय हो गई।

कई देशों से होकर लैंड ऑफ ज्यूस पहुंची धुन

स्मेतना के "डाई मोल्दाउ" से इसका संबंध कैसे जुड़ा? 12 साल के वुल्फगैंग एमेडीस मोजार्ट ने इटली में मूल लोक धुन सुनी थी, जहां उन्हें अध्ययन के लिए भेजा गया था। उन्होंने इसे अपनी एक रचना में शामिल किया, और इस संगीत को वियना, फिर प्राग ले गए। वहीं स्मेतना ने इसे अपनाया। स्मेतना का "डाई मोल्दाउ", हतिकवाह की तरह ही, एक राष्ट्रवादी विद्रोह का हिस्सा था। चेक संगीतकार का मानना था कि एक राष्ट्रीय आंदोलन एक नदी की तरह है; आप पानी को नहीं रोक सकते, ठीक वैसे ही जैसे आप आशा को बुझा नहीं सकते।

स्मेतना की सिम्फोनिक कविता "माई कंट्री", जिसमें "डाई मोल्दाउ" (वल्टावा नदी का जर्मन नाम, जो चेक गणराज्य की सबसे लंबी नदी है) शामिल है, बिना शब्दों के एक तरह का चेक राष्ट्रगान बन गया, बाल्टसन ने कहा। ब्रिटिश मैंडेट के दौरान, फिलिस्तीन में यहूदी रेडियो स्टेशन को हतिकवाह बजाने की अनुमति नहीं थी, इसलिए रेडियो ने स्मेतना का "डाई मोल्दाउ" बजाया, क्योंकि ब्रिटिश शास्त्रीय संगीत के एक कार्य को प्रतिबंधित नहीं कर सकते थे।

तारीख- 10 नंबर 2004

हतिकवाह को आधिकारिक तौर पर 10 नवंबर, 2004 को ही इजराइल के राष्ट्रगान के रूप में "फ्लैग, कोट ऑफ आर्म्स एंड नेशनल एंथम लॉ" के तहत अपनाया गया। इसके पक्ष में निर्णायक वोट डुजे संसद सदस्य अय्यूब कारा ने दिया, जो डालीआत अल-कार्मेल से आते हैं और अब लिकुड के संचार मंत्री हैं। एक डुजे नागरिक हतिकवाह के पक्ष में क्यों वोट देगा?

एक वोट और तय हुआ राष्ट्रगान

इसका संबंध डुजे समुदाय से भी है। इम्बेर 1882 में कॉन्स्टेंटिनोपल (अब इस्तांबुल) में ब्रिटिश सांसद लॉरेंस ओलिफेंट से मिले थे। ओलिफेंट ने इम्बेर को अपना निजी सचिव बनाया और वे दोनों फिलिस्तीन के लिए निकले, जहां वे डुजे गांव डालीआत अल-कार्मेल में बस गए। इम्बेर का ओलिफेंट की पत्नी के साथ प्रेम प्रसंग हो गया और उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। कारा के दादा ने ओलिफेंट के सहायक के रूप में काम किया था, इसलिए कारा ने इसके पक्ष में निर्णायक वोट दिया।

20 अप्रैल, 1945 को, ब्रिटिश यहूदी पादरी लेस्ली हार्डमैन ने बर्गन-बेलसन के बचे हुए लोगों को शिविर के बीच में खुले में एक कबालत शबात में नेतृत्व किया। बाल्टसन ने लिखा, "भूख से सूख चुके और मानव कंकालों जैसे दिखने वाले लोगों के समूह" ने "हतिकवाह को भयानक आवाजों में गाया"। इसे बीबीसी के एक रिपोर्टर ने रिकॉर्ड किया था और बाद में यह स्मिथसोनियन संस्थान की लाइब्रेरी में पाया गया। यह शायद हतिकवाह की सबसे मार्मिक और यादगार प्रारंभिक रिकॉर्डिंग में से एक है।

हतिकवाह से नफरत

हर्ज़ल को हतिकवाह बिल्कुल पसंद नहीं था, शायद इसलिए कि वह इम्बेर को एक शराबी के रूप में जानते थे। 1903 में हर्ज़ल ने एक राष्ट्रगान के लिए प्रतियोगिता भी आयोजित की, लेकिन प्रवेश करने वाले बहुत खराब थे। इजराइल स्टोरी के सह-संस्थापक मिशी हार्मोन ने अनुभवी पत्रकार और पूर्व एमके उरी अवनेरी का साक्षात्कार लिया।

हर्ज़ल की तरह, अवनेरी भी हतिकवाह से नफरत करते हैं। उन्होंने हार्मोन से कहा, "इसका इजराइल से कोई लेना-देना नहीं है। यह विदेशों में यहूदियों के बारे में है... और इसका इजराइल की भूमि के लोगों से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक ऐसे राज्य के लिए अप्रासंगिक है जिसमें हमारी दो अलग-अलग आबादी हैं, यहूदी और अरब। हमें इस राष्ट्रगान से छुटकारा पाने और एक वास्तविक इजराइली राष्ट्रगान की आवश्यकता है।"

'द फेथ', एक और राष्ट्रगान

इजराइल राज्य की स्थापना से पहले के मुख्य रब्बी, रब्बी अब्राहम आइजैक कूक ने वास्तव में हतिकवाह के लिए एक वैकल्पिक राष्ट्रगान "द फेथ" लिखा था। इसके पहले दो छंद थेः "शाश्वत रूप से हमारे दिलों में रहती है, यह दृढ़ विश्वास कि हम अपनी पवित्र भूमि पर लौटेंगे, उस शहर में जहां डेविड बस गए। वहीं हम अपना भाग्य पूरा करेंगे, जिसे कई (राष्ट्रों) के पिता ने प्राप्त किया, वहीं हम अपना जीवन जिएंगे, अनेक लोगों के राष्ट्र का जीवन।"

इजरायली अरब और हतिकवाह

इजराइली अरबों के साथ हतिकवाह का संबंध भी जटिल है। लेवी बताते हैं कि 1976 में अपने पहले अंतरराष्ट्रीय खेल में, जब हतिकवाह गाया गया, तो इजराइल की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए खेलने वाले पहले इजराइली अरब खिलाड़ी रिफत तुर्क चुपचाप खड़े रहे। उन्होंने कहा, "मैं एक यहूदी आत्मा नहीं हूं। मैं एक अरब आत्मा हूं। यदि राष्ट्रगान के बोल मेरे जैसे लोगों के प्रति प्रेम और विचार के बारे में होते, तो मैं खुशी-खुशी इसे गाता।"

तुर्क को उनकी चुप्पी के लिए यहूदी प्रशंसकों द्वारा तिरस्कृत किया गया था, खासकर कट्टरपंथी बीटर यरूशलेम समर्थकों द्वारा जब तुर्क की टीम हपोएल तेल अवीव ने बीटर के खिलाफ खेला था। उन्होंने चिल्लाया, "मैं तुम्हें मार डालूंगा।

उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा संघ के 42वें सम्मेलन में सम्मिलित होते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

आयुर्वेद गुरु आचार्य मनीष जी ने लॉन्च किया भारत का पहला पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट, मिलेगा आंत, लिवर और प्लीहा का ट्रिपल डिटॉक्सिफिकेशन

लखनऊ, : आयुर्वेद और नेचुरोपैथी विशेषज्ञ आचार्य मनीष जी ने लखनऊ के रेडिसन सिटी सेंटर, कैंट रोड पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत का पहला पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट लॉन्च किया। यह विशेष किट आंत (पेट), लिवर (यकृत) और प्लीहा (स्प्लीन) की सेहत को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसे बनाने में 20 से अधिक वर्षों का शोध, क्लिनिकल ट्रायल और रोगियों पर सफल परिणाम शामिल हैं। यह किट लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों की जड़ तक पहुंचकर इलाज करने के लिए बनाई गई है।

सामान्य दवाओं की तरह यह केवल लक्षणों पर काम नहीं करती बल्कि रोगों को जड़ से ठीक करने और रोकथाम में सहायक है। यह न केवल लंबे समय से बीमार लोगों के लिए बल्कि स्वस्थ लोगों के लिए भी बनाई गई है ताकि वे इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर बीमारियों से बच सकें। किट में 4 हफ्तों का एक तयशुदा प्रोटोकॉल है, जो पाचन तंत्र को रीसेट करता है, लिवर को मेटाबॉलिक वेस्ट और हार्मोन प्रोसेसिंग में सहयोग करता है तथा प्लीहा की रोग प्रतिरोधक क्षमता और खून की शुद्धि को मजबूत बनाता है। इससे गैस, एसिडिटी, कब्ज, अपच, मोटापा, लिवर ओवरलोड और कमजोर पाचन जैसी बढ़ती समस्याओं से राहत मिल सकती है।

लॉन्च के मौके पर आचार्य मनीष जी ने कहा सिर्फ लक्षणों का इलाज करने से सेहत ठीक नहीं रहती। असली इलाज तब होता है जब हम बीमारी की जड़ तक पहुंचें। आयुर्वेद बताता है कि जब पेट, लिवर और प्लीहा पर भार बढ़ जाता है तो शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे थकान, सूजन और गंभीर बीमारियां पैदा होती हैं। आयुर्वेद ग्रंथ अष्टांग हृदयम में कहा गया है कि सभी रोग पाचन की कमजोरी से शुरू होते हैं, जिससे शरीर में विष जमा होता है। पेट-यकृत-प्लीहा शुद्धि किट इसी संतुलन को रीसेट करने का एक संरचित तरीका है और इसे ट्रिपल डिटॉक्सिफिकेशन के सिद्धांत पर बनाया गया है।

यह किट जीना सीखो लाइफकेयर लिमिटेड ने विकसित की है, जो भारत की तेजी से बढ़ती इंटीग्रेटिव हेल्थ कंपनियों में से एक है और स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध है। जीना सीखो ने इसे शोध, क्लिनिकल परीक्षण, डॉक्टर परामर्श और रोगियों को सपोर्ट सेवाओं के साथ बाजार में उतारा है। कंपनी का मकसद है कि हर घर में रोकथाम आधारित और संपूर्ण स्वास्थ्य की प्राथमिकता बने।

इस किट में कुटकी, कालमेघ, हरड़, गिलोय, आंवला और भुम्यामलकी जैसी जड़ी-बूटियों का मिश्रण है, जिनमें लिवर की सुरक्षा, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और पाचन सुधारने की खासियत है। इसे आयुष मंत्रालय से मंजूरी मिली है और HIIMS अस्पतालों में वैलिडेट किया गया है।

इसके अलावा, यह किट शुद्धि ब्रांड की कई अन्य उन्नत आयुर्वेदिक किट्स जैसे डायबिटीज केयर, बीपी केयर, डिप्रेशन और एंग्जायटी केयर, लिवर केयर, किडनी केयर, थायरॉइड केयर, फेफड़े, जोड़, कैंसर, हार्ट, यौन स्वास्थ्य, आंख और इम्युनिटी केयर किट्स की नींव भी है।

यह किट अब https://store.jeenasikho.com/, अमेजन, फ्लिपकार्ट, टाटा 1mg और देशभर की प्रमुख फार्मेसियों पर उपलब्ध है

बता दें कि आचार्य मनीष जी पिछले 20 सालों से भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को नई दिशा दे रहे हैं। वे हमेशा जड़ से इलाज और डिटॉक्सिफिकेशन पर जोर देते रहे हैं। उनकी संस्थाएं ,जीना सीखो लाइफकेयर, शुद्धि क्लीनिक्स और HIIMS अस्पताल, आज 125 से अधिक अस्पतालों और क्लीनिकों में 900+ मेडिकल एक्सपर्ट्स के नेटवर्क के साथ लाखों लोगों की सेवा कर रही हैं। उन्होंने आहार संतुलन और अंग शुद्धि पर आधारित स्वास्थ्य प्रोटोकॉल विकसित किए हैं, जो न केवल पुरानी बीमारियों में असरदार हैं बल्कि रोकथाम के लिए भी उपयोगी हैं।

सिविल डिफेंस राजाजीपुरम प्रखण्ड के डिप्टी डिविजनल वार्डेन बने रामगोपाल सिंह

लखनऊ, 23 अगस्त 2025

नागरिक सुरक्षा विभाग लखनऊ के प्रखण्ड राजाजीपुरम में रिक्त चल रहे डिप्टी डिविजनल वार्डेन के पद पर जिलाधिकारी/नियंत्रक विशाख जी के अनुमोदन से रामगोपाल सिंह को सेक्टर वार्डेन से पदोन्नती कर डिप्टी डिविजनल वार्डेन के पद पर आगामी 3 वर्ष के लिए नियुक्त कर दिया गया है। चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा एवं उपनियंत्रक रविन्द्र कुमार ने रामगोपाल सिंह को नियुक्ति पत्र देकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राज्यपाल से सम्मानित/कोरोना वॉरियर्स रामगोपाल सिंह ने डिप्टी डिविजनल वार्डेन पद पर नियुक्त होने पर कहा कि जिलाधिकारी/नियंत्रक विशाख जी, चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा और उपनियंत्रक रविन्द्र कुमार, वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा एवं एडीसी मुकेश कुमार ने जो जिम्मेदारी दी है, वे उसका पालन ईमानदारी और निष्ठा के साथ करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं पहले से भी अधिक ज़िम्मेदारी के साथ सभी वाडेर्नों को एक साथ लेकर दिन-रात निःस्वार्थ भाव से सेवा और पद की गरिमा का ध्यान रखते हुए सिविल डिफेंस में अपनी सेवाएं प्रदान करता रहूंगा।

केएमयू के ओरिएंटेशन में पहुंचे नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज ने दिया सकारात्मक और आध्यात्मिक ज्ञान

-विज्ञान और सनातन एक साथ होकर चले तो भारत विश्वगुरू बन जाएगा : सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज

-एयर होस्टेस शैली अपनाकर करनी चाहिए श्रीकृष्ण यात्रा, तभी आप होंगे सफल : ऋतेश्वर महाराज

-संस्कारवान पुरुष में ही पायी जाती है शिक्षा और विद्या : कुलाधिपति

मथुरा (जीएनएस)। केएम विश्वविद्यालय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए नवप्रवेशी छात्र परिचय कार्यक्रम ह्यदीक्षारंभ-2025-26ह्न का भव्य शुभारंभ हवन-यज्ञ के साथ किया गया, जिसमें विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी समेत कुलपति डा. एनसी प्रजापति, प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डा. पूरन सिंह और मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने यज्ञ में आहुति देकर की। केएम विश्वविद्यालय में हवन यज्ञ के बाद शैक्षणिक सत्र के पहले दिन ऑडिटोरियम पहुंचे सैकड़ों की संख्या में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को दीक्षारंभ ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां और आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वृंदावन आनंदम धाम से पधारे सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज जी ने जीवन, शिक्षा और सकारात्मक-आध्यात्मिक सोच के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम और 16 कलाओं से परिपूर्ण भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में सुदामा चरित्र पर प्रकाश डाला और कहा कि विज्ञान बहुत उन्नत हो चुका है, अब इसे रोक देना चाहिए। कहा कि यंत्र और मशीनों पर हम जिंदगी रहे हैं। दुनियां में 76 प्रतिशत लोग तनाव में जी रहे हैं, हर परिवार में एक पागल (तनावग्रस्त) व्यक्ति होता है। जीवन की विद्या अलग है और जीविका की विद्या अलग है। उन्होंने कहा कि आपका भौतिक जीवन एयर होस्टेस (हवाई यात्रा में अभिनंदन करने वाला व्यक्ति-महिला) का है, आपको उस शैली का प्रयोग करते हुए आपको सुख-दुख को साथ रखकर आनंदित होकर श्रीकृष्ण की यात्रा करनी चाहिए, क्योंकि श्रीकृष्ण सदा आनंदित रहते थे तथा सनातन में हमेशा विज्ञान है। कहा कि अगर विज्ञान और सनातन एक साथ होकर चलें तो भारत विश्वगुरू बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पुराणकाल में भारत सोने की चिड़िया थी। पश्चिमी सभ्यता को अपना कर मॉडल कहलाना मात्र भ्रम है। उन्होंने कहा कि केएम विश्वविद्यालय से आप शिक्षा के साथ जीविका की विद्या लेकर निकले और आनंद, खुशी के साथ यात्रा शुरू करें, जो एयर होस्टेस से कृष्ण तक पहुंचेगी। शास्त्रों में सब कुछ सही लिखा है, गुरु ही इन्द्रियों का भविष्य तय करने वाला है। कहा कि छात्र-छात्राओं का सही संचालन पूरी प्रकृति को जीवन का अंदाज देने जैसा है। इसलिए खुश और आनंदित रहकर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करके कामयाब हो सकते हैं।

वहीं विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विद्या-शिक्षा कहीं भी मिल सकती है, जिसमें विद्या होती है, उसमें शिक्षा व संस्कार होते है। शिक्षित व्यक्ति में विद्या होती है तो उसमें अच्छे संस्कार पाए जाते हैं। कहा कि आप जैसा सोचोगे वैसे ही बन जाओगे। इस दौरान कुलाधिपति ने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम और योगीराज श्रीकृष्ण के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्र-छात्राओं को अच्छे मित्र बनाने की सलाह दी। वहीं विवि के सलाहाकार डा. एसपी गोस्वामी ने विद्यार्थियों से जीवन, कॅरिअर और सफलता से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण सूत्र साझा किए। अपने अनोखे अंदाज में उन्होंने स्लाइड्स, प्रेरक शेरो-शायरी और कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल मार्गदर्शन दिया, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता की ओर प्रेरित किया। इसीक्रम में प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल ने कहा कि नवप्रवेशित विद्यार्थी अब परंपरागत पाठ्यक्रम के बाद तकनीकी एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम से जुड़े हैं, जहां से विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा मिलेगी। वहीं कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में जो आने वाले साल हैं, यह सिर्फ एक डिग्री पाने के लिए नहीं, बल्कि अपने आपको निखारने के साल हैं। कहा कि यहां जो आप सीखेंगे, वही आपकी सोच बनाएगा और आत्मविश्वास बढ़ाएगा। इस मौके पर सीईओ मनोज कुमार ओझा ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है, ताकि वह जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि यहां न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है, बल्कि सांस्कृतिक, खेल और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को निखारा जाता है। इससे पूर्व ओरिएंटेशन का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विवि के कुलाधिपति ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया तथा मुख्य अतिथि सद्गुरु ऋतेश्वर जी का विवि के चांसलर ने श्रीराधाकृष्ण की प्रतिमा भेंट कर स्वागत व सम्मान किया और आर्शीवचन लिया।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने विकसित भारत हेतु शिक्षा विषय पर विमर्श का आयोजन किया

लखनऊ 23 ऑगस्ट 2025: देश की शिक्षा को एक नया विकल्प देने के उद्येश्य से शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, अवध प्रांत के तत्वावधान में विकसित भारत हेतु शिक्षा विषय पर आज भाद्रपद कृष्ण पक्ष अमावस्या संवत 2082 को लखनऊ के रघुवर भवन के सभागार में न्यास के उद्येश्यों जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020), भारतीय ज्ञान परंपरा, वैदिक गणित, पर्यावरण, पञ्च कोष आधारित चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास आदि न्यास के अन्य विषयों पर चिंतन बैठक व महत्वपूर्ण विमर्श का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा सदस्य विधान परिषद् इंजी अवनीश सिंह जी थे एवं अध्यक्षता माननीय राष्ट्रीय सह संयोजक, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली श्री संजय स्वामी, ने की ' कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन, ॐकार के सामूहिक वाचन और बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत ईश्वर वंदना द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन न्यास के प्रांत संयोजक प्रचार प्रसार दीप नारायण पांडेय ने किया मा सर संघ चालक मा मोहन भागवत के सानिध्य में केरल में आयोजित राष्ट्रीय चिंतन बैठक में भाग लेकर लौटे शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अवध प्रांत के संयोजक प्रमिल द्विवेदी ने अपने अनुभव साझा किये व अतिथियों के स्वागत संबोधन के साथ न्यास का संक्षिप्त परिचय देते हुए कहा कि देश की शिक्षा अपनी संस्कृति,प्रकृति एवं प्रगति के अनुरूप बने देश की शिक्षा को एक नया विकल्प देने के लिए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का गठन किया गया. राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कार्य के अंतर्गत हमने देश भर में 400 से अधिक संगोष्ठियों,कार्यशालाओं, परिचचाओं आदि को आयोजित करके सुझाव दिए अब शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की

दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं जो फलित होते हुए दिख रहे हैं .आज के मुख्य अतिथि इंजी अवनीश सिंह ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा राष्ट्रहित में किये जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा स्वतंत्रता के बाद अपेक्षा थी कि देश की शिक्षा का स्वरुप भारतीय द्रष्टिकोण से अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप होगा परन्तु ऐसा नहीं हुआ. न्यास द्वारा किये जा रहे शिक्षा में भारतीयता का समावेश, विकसित भारत में शैक्षिक संस्थाओं की भूमिका विषय को लेकर देश की लगभग 100 से अधिक संस्थाओं में किये जा रहे प्रयासों और उससे प्राप्त हो रहे परिणामों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देश को आत्म निर्भर बनाना है, तो देश के छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना होगा और छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम शिक्षा है.आज के वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में अपने अपने विषयों पर प्रकाश डाला जिसमे प्रख्यात शिक्षाविद ज्ञान पाण्डेय ने विकसित भारत हेतु शिक्षा, सत्येन्द्र त्रिपाठी ने पञ्च कोष आधारित चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास पर अपने विचार रखे.नई दिल्ली से पधारे न्यास के राष्ट्रीय सह संयोजक संजय स्वामी ने अपने उद्बोधन में बताया कि अवध प्रांत में न्यास के उद्द्येश्यों को आगे बढ़ाने के लिए संगठन का मजबूत होना अति आवश्यक है, कार्यकर्ता निर्माण, प्रशिक्षण, अभ्यास वर्ग, कार्यपद्धति सहित संगठन के दयित्ववान कार्यकताओं के व्यक्तित्व विकास और उनसे अपेक्षाएं आदि अन्य विन्दुओं पर अपने सुझाव दिए उन्होंने कहा कि श्री प्रमिल द्विवेदी को अवध प्रांत के प्रांत संयोजक का दायित्व एवं डॉ कीर्ति विक्रम सिंह को सह संयोजक का दायित्व दिया गया है हमें प्रसन्नता है कि इनके नेतृत्व में अवध प्रांत नए कीर्तिमान स्थापित करेगा. उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सरकार एवं समाज दोनों के संयुक्त प्रयास से ही किसी भी क्षेत्र में परिवर्तन संभव है,न्यास के द्वारा शिक्षा में परिवर्तन हेतु प्रारम्भ किये गए इन प्रयासों में आप भी तन मन धन से अपनी आहुति प्रदान करें .प्रांत सह संयोजक डॉ कीर्ति विक्रम सिंह ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का धन्यवाद् ज्ञापित किया कार्यक्रम में विशेषरूप से जिनकी उपस्थिति रही उनमे प्रो कीर्ति नारायण, श्री राजेश अग्रवाल, प्रो शीला मिश्रा, श्री प्रवीण द्विवेदी,प्रो हिमांशु सिंह,श्री के बी पन्त,प्रो आर के पाण्डेय, श्री ए के श्रीवास्तव, श्री संजीव सिंह,डॉ नीता सक्सेना सहित प्रदेश भर से पधारे अनेक शिक्षाविद, वैज्ञानिक, प्रोफेसर्स, डॉक्टर्स, चिन्तक, लेखक, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता,बैंकर्स सहित मनीषा जगत से अनेक गणमान्य लोग शामिल थे .

वायरल वीडियो से मची सनसनी, बाइक पर तमंचा लेकर घूमे चार युवक

लखनऊ रीडर / शारिक जैदी बिजनौर।

नगीना थाना क्षेत्र के गांव अलीपुरा जट से सोशल मीडिया पर एक खतरनाक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस सतर्क हो गई है। वीडियो में एक बाइक पर सवार चार युवक दिखाई दे रहे हैं, जिनमें से एक युवक बाइक के आगे तमंचा रखकर स्टंट करता नजर आ रहा है। वीडियो तेजी से वायरल होने पर नगीना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, वीडियो में दिख रहे चारों युवक नाबालिग प्रतीत हो रहे हैं। ये युवक बाइक पर बैठकर खुलेआम तमंचा दिखाते हुए वीडियो बना रहे थे। पुलिस का कहना है कि इस तरह के वीडियो न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती हैं, बल्कि युवाओं में गलत संदेश भी फैलाते हैं।

नगीना थाना प्रभारी ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है और टीम को इनकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा

है कि तमंचा आखिर इन युवकों के पास कहां से आया। पुलिस ने आशंका जताई है कि कहीं ये युवक असामाजिक तत्वों के संपर्क में तो नहीं हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी सहयोग मांगा है ताकि जल्द से जल्द इन चारों युवकों तक पहुंचा जा सके। पुलिस अधिकारियों ने साफ किया है कि नाबालिग होने की स्थिति में भी उनके अभिभावकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

श्याम सुन्दर पटेल ने की बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद से मुलाकातः

सोशल मीडिया इंचार्ज भाजयुमो, सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर श्याम सुन्दर पटेल ने फिल्म इंडस्ट्री बॉलीवुड के मशहूर एक्टर सोनू सूद से मुलाकात की है।

इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर खुब चर्चा बनी है।

श्याम सुन्दर पटेल ने की सोनू सूद से मुलाकात-

आइए जानते है विस्तार से-

श्याम सुन्दर पटेल एक भारतीय राजनीतिक और सोशल मीडिया

इन्फ्लुएंसर हैं जो मूलतः राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनका जन्म और पालन-पोषण 01 फरवरी 1995 को मड़ियाहूं, जौनपुर, उत्तर प्रदेश (भारत) में हुआ था। वर्ष 2025 तक उनकी आयु 30 वर्ष हो जाएगी।

वर्तमान में वे भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा, मछलीशहर, जौनपुर उत्तर प्रदेश के सोशल मीडिया प्रभारी हैं, और उनकी बॉलीवुड फिल्म उद्योगो में भी काम करने को लेकर काफी समय से चचाएं हों रही हैं।

श्याम सुन्दर पटेल ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री बॉलीवुड के जाने माने मशहूर एक्टर सोनू सूद से उनके मुम्बई स्थित ऑफिस पर मिलने पहुंचे थे। इस मुलाकात का फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वही कुछ यूजर्स कमेंट कर रहे हैं, कि श्याम सुन्दर पटेल बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कौन सी भूमिका में नजर आएंगे।

अब देखना ये होगा की श्याम सुन्दर पटेल बॉलीवुड में अपनी पहली मुलाकात फिल्म इंडस्ट्री में काम के लिए किसी प्रोडक्शन हाउस या कोई मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

उत्तर प्रदेश की रियल स्टेट और अवसंरचना विकास यात्रा को प्रदर्शित करेगा नरेडको कन्वेंशन

मोहनलालगंज लखनऊ

नरेडको के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय पांडे ने बताया कि नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) का उत्तर प्रदेश चैप्टर नई दिल्ली में 29 और 30 अगस्त को आयोजित होने वाले नरेडको नेशनल के 17 में राष्ट्रीय अधिवेशन की घोषणा कर रहा है ।भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा समर्थित यह सम्मेलन उत्तर प्रदेश में नियोजित नगरीकरण अवसंरचना विकास और प्रगतिशील नीति सुधारो पर केंद्रित रहेगा। लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों में नई टाउनशिप औद्योगिक कॉरिडोर मेट्रो विस्तार और एयरपोर्ट आधारित विकास के साथ उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा तेजी से आगे बढ़ रही है इस स्तर का परिवर्तन भारत की

आवास और शहरी विकास नीतियों को आधार देने में राज्य को एक महत्वपूर्ण भागीदार बनाता है। प्रेस विज्ञप्ति में नरेडको के प्रदेश अध्यक्ष डॉ आदित्य शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी से एक लीडर के रूप में उभर रहा है या उद्घाटन राज्य की रियल एस्टेट प्रगति को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करता है। और इसके विकास के प्रति हमारे प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है हम राज्य में इस क्षेत्र की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित करेंगे साथ ही सिंगल विंडो क्लीयरेंस किफायती आवास और टियर दो व टियर तीन शहरों के लिए उक्त पीपीपी मॉडल पर चर्चा करेंगे।

उक्त कार्यक्रम में भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने बतौर मुख्य अतिथि अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है जो इस सम्मेलन को सार्वजनिक निजी नीति मंच के सबसे प्रभावशाली आयोजनों में से एक बनाता है सम्मेलन का आधिकारिक लोगों आज नई दिल्ली में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता द्वारा कर्टन रेजर के दौरान जारी किया गया हैं।

पचास महिलाओं को मिलेगा प्रतिष्ठित महिला उपलब्धि पुरस्कार

लखनऊ (सं)। पुरस्कार विजेता फिल्म निर्देशक विपिन अग्निहोत्री समाज में अपना योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित करेंगे। आगामी 10 सितम्बर को राजधानी के हिल्टन होटल में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय प्रतिष्ठित महिला उपलब्धि पुरस्कार से प्रेरणादायी महिलाओं का सम्मान किया जायेगा। महिला सशक्तीकरण में अग्रणी महिलाओं को सम्मानित करने के लिए प्रदेश की कई राजनीतिक व सामाजिक और फिल्मी व टीवी जगत की हस्तियां मौजूद रहेंगी।

परिवर्तन की आवाजे, विषय पर दिये जाने वाले पुरस्कारों का मकसद उन महिलाओं को उजागर करना है जिन्होंने मानदंडों को नया रूप दिया है, बाधाओं को तोड़ा है और विभिन्न क्षेत्रों में प्रभाव डाला है। सम्मान पाने वाली महिलाओं में सामाजिक कार्य, व्यवसाय, शिक्षा, कला व प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सक्रिय पचास महिलाओं नाम शामिल हैं।

क्रियेटिव स्कूल की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में संस्थापक अभिषेक गुरुमाधव, बिग बॉस फेम हेमा शर्मा और सारा अरफीन खान व अभिनेत्री पूनम झावर भी शामिल रहेंगी।